S .Y.B.A.-HINDI (G-2)
साहित्यिक और व्यवहारिक हिंदी

सेमिस्टर - ३	विषय कोड नं.ए - ३१६०३	कुल व्याख्यान - ६०

उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण करना ।
- हिंदी की कहानी विधा से और विशिष्ट कहानी लेखिका से छात्रों को परिचित कराना ।
- कवि मैथिलीशरण गुप्तजी की प्रसिद्ध काव्यरचना से परिचय ।
- हिंदी भाषा में प्रयुक्त पारिभाषिक और व्यावहारिक शब्दावली का अध्ययन ।
- हिंदी की मानक वर्तनी का अध्ययन अनुशीलन ।
- हिंदी अंकलेखन से छात्रों को अवगत कराना ।

युनिट १: गद्य – कहानी विधा - '' मेरी प्रिय कहानियाँ '' - मन्नू भंडारी	व्याख्यान २०
• हिंदी कहानी विधा का इतिहास • '' मेरी प्रिय कहानियाँ '' संकलन का अध्ययन – अनुशीलन । १. अकेली २. मजबूरी ३. नई नौकरी ४. बंद दराजों का साथ	

युनिट२ काव्य - विधा – ''पंचवटी'' – कवि मैथिलीशरण गुप्त	व्याख्यान१०
• मैथिलीशरण गुप्तजी का परिचय । • ''पंचवटी '' काव्य का प्रत्यक्ष अध्ययन ।	

युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान १०
• पारिभाषिक शब्द – कानून ,बैंक,डाक • व्यावहारिक शब्द – शरीर के अंग , अनाज ,पशू –पंछियोंकी बोली (आवाजें) • मानक वर्तनी अध्ययन • वाक्य शुद्धीकरण	

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS * POONA-411001 *

युनिट ४	व्याख्यान ०८
• विज्ञापन - महत्त्व उपयोग ,प्रकार तथा आदर्श विज्ञापन की आवश्यक बातों से परिचय ।	

अतिथि व्याख्यान , समूहचर्चा ,ग्रंथालय गतिविधि ,प्रोजेक्ट	व्याख्यान १२

पाठ्य पुस्तके :-

१. मैथिलीशरण गुप्त –" पंचवटी " – साहित्य -सदन झाँसी ।
२. मन्नू भंडारी – " मेरी प्रिय कहानियाँ " – राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. डॉ. उमाकांत (१९६१) " गुप्तजी की काव्यसाधना" – व्दितीय संस्करण – नॅशनल पब्लिशर्स,दिल्ली ।
२. संपा –डॉ. अर्जुन शतपथी मधुसूदन साहा (१९८७) – " राष्टीय चेतना के कवि -मैथिलीशरण गुप्त " – प्रथम संस्करण , पराग प्रकाशन - दिल्ली ।
३. डॉ.नगेंद्र – (१९८७) " मैथिली शरण गुप्त " – प्रथम संस्करण ,प्रभात प्रकाशन दिल्ली ।
४. मंजू आगरवाल –(१९७९) " मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकला" प्रथम संस्करण, अतुल प्रकाशन ,कानपुर ।
५. डॉ.राम कुलकर्णी –(१९८७) " मैथिलीशरण गुप्त के पात्रों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन " – प्रथम संस्करण सरस्वती प्रकाशन , कानपुर ।
६. डॉ.प्रभाकर माचवे (१९८७) " हिंदी के साहित्य निर्माता मैथिली शरण गुप्त " प्रथम संस्करण ,राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली ।
७. डॉ.उपेंद्रनाथ अश्क (१९६७) " हिंदी कहानी: एक अंतरंग परिचय " प्रथम संस्करण ,नीलाभ प्रकाशन ,इलाहबाद ।
८. सिंह नामवर (१९६६) " कहानी –नई कहानी ' , प्रथम संस्करण ,लोकभारती प्रकाशन प्रकाशन इलाहबाद ।
९. प्रसाद वासुदेवनंदन (१९७५) " आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना ", बारहवाँ संस्करण ,भारतीभवन,पटना ।
१०. संपा.त्रिपाठी रमेशचंद्र , अग्रवाल पवन (२००३) "मीडिया लेखन व्दितीय " संस्करण ,भारत प्रकाशन ,लखनौ ।
११. प्राचार्य सु.मो.शहा (२००८) हिंदी वर्तनी ,प्रथम संस्करण महाराष्ट-राष्टभाषा सभा ,पुणे.
१२. उमेश माथुर (१९६९) " आधुनिक युग की हिंदी लेखिकाँए " – दिग्दर्शन वरण जैन ,ऋषभ वरण जैन एण्ड सन्स ,दरियागंज ,दिल्ली ।

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS POONA-411001

S .Y.B.A.-HINDI (G-2)
साहित्यिक और व्यवहारिक हिंदी

सेमिस्टर - ४	विषय कोड नं.ए - ४१६०३	कुल व्याख्यान - ६०

उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण करना ।
- हिंदी कहानी विधा से और विशिष्ट कहानी लेखिका से छात्रों को परिचित कराना ।
- कवि मैथिलीशरण गुप्तजी की प्रसिद्ध काव्यरचना से परिचय ।
- नौकरी के लिए आवेदनपत्र और परिचय पत्र का अध्ययन ।
- हिंदी की वर्तनी से परिचय और शब्दयुग्म का अध्ययन ।
- हिंदी विज्ञापन के नमूने का एवं प्रतिलिपि का अध्ययन – अनुशीलन ।

युनिट १: गद्य – 'मेरी प्रिय कहानियाँ'' - मन्नू भंडारी	व्याख्यान २०
• शेष कहानियों का अध्ययन- १.एखाने आकाश नाइं २.यही सच है ३.सजा ४.आते जाते सायावर ५.शायद	

युनिट२ काव्य - ''पंचवटी'' –मैथिलीशरण गुप्त	व्याख्यान१५
• शेष काव्य का अध्ययन – अनुशीलन ।	

युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान ०५
• नौकरी के लिए आवेदनपत्र और परिचयपत्र का अध्ययन • विज्ञापन प्रतिलिपी अभ्यास	

9

युनिट ४	व्याख्यान ०८
• शब्दयुग्म- अध्ययन और अभ्यास • हिंदी अंकलेखन परिचय और अभ्यास	

11

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS * POONA-411001 *

अतिथि व्याख्यान , परिचर्चा ,प्रस्तुतिकरण	व्याख्यान १२

पाठ्य पुस्तके :-

३. मैथिलीशरण गुप्त –" पंचवटी " – साहित्य -सदन झाँसी ।
४. मन्नू भंडारी – " मेरी प्रिय कहानियाँ " – राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. अनिल गोयल (१९८०)" मन्नू भंडारी की कहानियोंका संसार".
प्रथम संस्करण –समकालीन प्रकाशन , नई दिल्ली ।
२. प्रा.किशोर गिरडकर (१९८५)– " मन्नू भंडारी का कथा साहित्य"
प्रथम संस्करण , विश्वभारती प्रकाशन , नागपुर ।
३. डॉ.सहदेव शर्मा – (१९७१) मैथिलीशरण गुप्त का खडीबोली के उत्कर्ष में योगदान " प्रथम संस्करण ,आदर्श साहित्य प्रकाशन दिल्ली ।
४. सिन्हा रघुवीर (१९७७) "आधुनिक हिंदी कहानी" –समाजशास्त्रीय दृष्टी
प्रथम संस्करण, अक्षर प्रकाशन , दिल्ली ।
५. डॉ.मदान इंद्रनाथ –(१९७८) " हिंदी कहानी –एक नई दृष्टी "
प्रथम संस्करण संभावना प्रकाशन, हापुड ।
६. उपाध्याय देवराज (१९६३) आधुनिक हिंदी कथासाहित्य और मनोविज्ञान "
व्दितीय संस्करण ,साहित्यभवन प्रा.लि.इलाहबाद ।
७. सिंह संतबख्श (१९८१) " नईकहानी –नए प्रश्न "
प्रथम संस्करण ,साहित्यलोक प्रकाशन ,कानपुर ।
८. सिंहल ओमप्रकाश ,तिलकराज बडेहारा (१९८५) "व्यावहारिक हिंदी भाग -१ और २ " चतुर्थ संस्करण ,पितांबर पब्लिशिंग कं.दिल्ली ।
९. प्रा.उमा केवलराम (१९९७) " मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध"
प्रथम संस्करण ,चंद्रलोक प्रकाशन ,कानपुर ।
१०.डॉ.इशरत जहाँ (२००५) " मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में स्त्री"
प्रथम संस्करण ,संजय बुक सेंटर ,गोलघर ,वाराणसी ।
११.अनिता राजुरकर (१९८७) " कथाकार मन्नू भंडारी"
प्रथम संस्करण, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस ,दिल्ली ।
१२.संपा-प्राचार्य सु.मो.शहा (२०११) " राजभाषा पारिभाषिक शब्दावली " प्रथम संस्करण ,महाराष्ट्र-राष्ट्रभाषा सभा पुणे.

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS ★ POONA-411001 ★